एकीकृत पेंशन योजना

प्रलिम्सि के लयि:

[एकीकृत पेंशन योजना (UPS)](), [मुद्रास्फीति सूचकांक](), [औद्योगिक श्रमकिों के लयि अखलि भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक](), [पुरानी पेंशन योजना (OPS)](), [राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS)](), [आयकर अधनियिम, 1961](), [पेंशन फंड नयिामक और वकिास प्राधकिरण (PFRDA)](), [ऋण-GDP अनुपात]() ।

मेन्स के लयि:

भारत के पेंशन फ्रेमवर्क में परविर्तन तथा अर्थव्यवस्था और समाज पर इसका प्रभाव ।

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस]()

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय मंत्रमिंडल ने [एकीकृत पेंशन योजना (UPS)]() को मंज़ूरी दे दी है, जो सरकारी कर्मचारियों को सेवानवृित्तकि बाद सुनशि्चति पेंशन प्रदान करेगी ।

- यह योजना **1 अप्रैल, 2025** से प्रभावी होगी, जब **केंद्र सरकार के कर्मचारी** वर्तमान राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) से UPS में स्थानांतरति हो जाएंगे ।
- **राज्य सरकारों** के पास **एकीकृत पेंशन योजना** अपनाने का वकिल्प भी होगा ।

एकीकृत पेंशन योजना के प्रावधान क्या हैं?

- **सुनशि्चति पेंशन:** यह **25 वर्ष** की न्यूनतम अर्हक सेवा के लयि सेवानवृित्तसि पहले **अंतमि 12 महीनों** में **कर्मचारी के औसत मूल वेतन का 50% होगा ।**
  - यह राशनि्यूनतम **10 वर्ष** तक की छोटी सेवा अवधकि लयि **आनुपातकि रूप से कम हो जाएगी ।**
- **सुनशि्चति न्यूनतम पेंशन:** न्यूनतम 10 वर्ष की सेवा के बाद सेवानवृित्तकी स्थतिमिं UPS **10,000 रुपए प्रतमिाह** की सुनशि्चति न्यूनतम पेंशन प्रदान करता है ।
- **सुनशि्चति पारवािरकि पेंशन:** सेवानवृित्त व्यक्तकिी मृत्यु पर उसका **नकिटतम परवािर** सेवानवृित्त व्यक्तदि्वारा अंतमि बार प्राप्त पेंशन का **60%** पाने का पात्र होगा ।
- **मुद्रास्फीतसिूचकांकीकरण:** उपर्युक्त तीनों प्रकार की पेंशनों पर महँगाई राहत उपलब्ध होगी ।
  - [औद्योगकि श्रमकिों के लयि अखलि भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक]() के आधार पर **सूचकांक** की गणना की जाएगी ।
- **सेवानवृित्तपिर एकमुश्त भुगतान: ग्रेच्युटी** के अतरिकि्त कर्मचारियों को सेवानवृित्तपिर **एकमुश्त भुगतान** प्राप्त होगा, जो सेवा के प्रत्येक छह माह पूरे होने पर सेवानवृित्त तिथिकि अनुसार उनके **मासकि वेतन (वेतन+DA) के 1/10वें भाग के** बराबर होगा ।
  - इस भुगतान से सुनशि्चति पेंशन की राशपिर कोई असर नहीं पड़ेगा ।
  - ग्रेच्युटी एक ऐसी **राशहिै,** जो नयिोक्ता द्वारा अपने कर्मचारियों को **उनकी सेवाएँ प्रदान करने के लयि दी जाती है ।**
- **कर्मचारियों के लयि वकिल्प: कर्मचारी अभी भी NPS के अंतर्गत बने रहने का वकिल्प चुन सकते हैं । हालाँकिकोई भी कर्मचारी केवल एक बार ही वकिल्प चुन सकता है । एक बार वकिल्प चुनने के बाद वकिल्प को बदला नहीं जा सकता ।**

UPS, पुरानी पेंशन योजना (OPS) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) के बीच मुख्य अंतर क्या हैं?

- **पेंशन गणना वधि:** [OPS]() में पेंशन **अंतमि मूल वेतन तथा महंगाई भत्ते (DA) के 50%** के बराबर तय की गई थी ।
  - **UPS** में पेंशन की गणना रटिायरमेंट से पहले आखरिी वर्ष में लयि गए **मूल वेतन और DA के औसत के 50%** के रूप में की जाती है । इस समायोजन का अर्थ है कअिगर कसिी कर्मचारी को रटिायरमेंट से कुछ समय पहले **पदोन्नत**िमलिती है तो उसे थोड़ी **कम पेंशन** मलिेगी ।
- **कर्मचारी अंशदान:** OPS में कसिी **कर्मचारी अंशदान की आवश्यकता नहीं थी ।**

    - **UPS** में कर्मचारी का अंशदान **मूल वेतन** और DA का **10%** है तथा सरकार भी **18.5%** का योगदान करेगी।
    - **NPS** में **केंद्रीय सरकारी कर्मचारी** के मूल वेतन से **10%** तथा **सरकार** से **14%** अंशदान की आवश्यकता होती है।
- **कर लाभ:** केंद्र सरकार के कर्मचारी NPS योजना में सरकार के योगदान के लिये कर लाभ के पात्र हैं। वे आयकर अधिनियम, 1961 के तहत पुरानी और नई दोनों कर व्यवस्थाओं से 14% की कटौती कर सकते हैं।
    - चूँकि **OPS** में कर्मचारियों का कोई योगदान नहीं था, इसलिये **वे कर लाभ नहीं उठा सकते।**
    - **सरकार ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है** कि UPS के अंतर्गत **कर्मचारी और सरकारी** अंशदान पर कोई कर लाभ मिलेगा या नहीं।
- **UPS में उच्च न्यूनतम पेंशन:** UPS योजना के तहत 10 वर्ष की न्यूनतम सेवा के बाद सेवानिवृत्ति के समय प्रति **माह न्यूनतम पेंशन 10,000 रुपए** है।
    - दस वर्ष की न्यूनतम सेवा अवधि के बाद **वर्तमान न्यूनतम राशि 9,000 रुपए** है।
- **एकमुश्त भुगतान: OPS** ने पेंशन के **40%** तक के **एकमुश्त भुगतान** की अनुमति दी, जिससे मासिक पेंशन राशि कम हो गई।
    - **UPS** सेवानिवृत्ति पर **एकमुश्त भुगतान** प्रदान करता है, जिसकी गणना मासिक वेतन के **दसवें हिस्से** के साथ-साथ प्रत्येक छह महीने की सेवा के लिये महंगाई भत्ते के रूप में की जाती है तथा पेंशन राशि पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) क्या है?

- **परिचय: NPS की शुरुआत बाज़ार से संबद्ध एक अंशदान योजना थी, जिसकी शुरुआत केंद्र सरकार द्वारा व्यक्तियों को उनकी सेवानिवृत्ति आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये पेंशन के रूप में आय उपलब्ध कराने में मदद करने हेतु की गई थी**
    - **भारत के पेंशन विनियमों** को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता के तहत **1 जनवरी 2004** को NPS ने OPS का स्थान ले लिया।
    - पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA), **PFRDA अधिनियम, 2013** के तहत **NPS** को विनियमित व प्रशासित करता है।
- **NPS की आवश्यकता: OPS** के साथ एक बुनियादी समस्या थी अर्थात् यह **वित्तपोषित नहीं थी** और पेंशन हेतु कोई विशेष **कोष नहीं था।**
    - समय के साथ इसके कारण सरकार की **पेंशन देयता** वित्तीय दृष्टि से **असह्य स्तर** तक बढ़ गई।
    - केंद्र की पेंशन देनदारियाँ **वर्ष 1990-91 में 3,272 करोड़ रुपए से बढ़कर वर्ष 2020-21 में 1,90,886 करोड़ रुपए हो गईं।**
- **NPS की कार्यप्रणाली:** NPS दो मूलभूत तरीकों से OPS से भिन्न थी।
    - **सबसे पहले इसने सुनिश्चित पेंशन की व्यवस्था को समाप्त कर दिया।**
    - दूसरा **इसका वित्तपोषण कर्मचारी द्वारा स्वयं किया जाएगा** तथा सरकार भी इसमें उतना ही योगदान देगी।
        - परिभाषित अंशदान में कर्मचारी द्वारा मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10% तथा सरकार का 14% अंशदान शामिल था।
    - NPS के अंतर्गत व्यक्ति NPS में जमा अपने धन को **निवेश** करने के लिये अनेक **योजनाओं और पेंशन फंड प्रबंधकों** के साथ-साथ निजी कंपनियों में से भी चुन सकते हैं।
- **NPS का विरोध:** NPS के तहत सरकारी कर्मचारियों को **कम गारंटीकृत रिटर्न** मिलता था और उन्हें **अपनी पेंशन में योगदान देना पड़ता था,** जबकि OPS में कर्मचारियों का कोई योगदान नहीं था तथा गारंटीकृत रिटर्न अधिक था।
    - पुरानी पेंशन योजना को पुनः लागू करने के लिये चल रही मांगों के बीच, केंद्र सरकार ने वर्ष 2023 में **टी. वी. सोमनाथन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था।** समिति की सिफारिशों के आधार पर नई **एकीकृत पेंशन योजना (UPS) की शुरुआत की गई है।**

UPS के राजकोषीय निहितार्थ क्या हो सकते हैं?

- **अधिक ऋण-GDP अनुपात:** एकीकृत **पेंशन योजना (UPS) का उच्च ऋण और अधिक** ऋण-GDP अनुपात वाली सरकार पर व्यापक राजकोषीय प्रभाव पड़ेगा।
    - इस योजना की लागत से सरकारी वित्त पर और अधिक दबाव पड़ सकता है।
- **उच्च राजकोषीय बोझ:** भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किये गए एक अध्ययन (सितंबर 2023) में चेतावनी दी गई है कि यदि सभी राज्य OPS को लागू कर देते हैं तो राजकोषीय बोझ **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS)** के **4.5 गुना तक हो सकता है, जो संभवतः वर्ष 2060 तक सकल घरेलू उत्पाद का 0.9%** वार्षिक तक पहुँच सकता है।
    - इस बात को लेकर भी चिंता व्यक्त की गई है कि **UPS** संघीय वित्त पर किस प्रकार प्रभाव डालेगा, क्योंकि यह मोटे तौर पर **OPS जैसा ही है।**

निष्कर्ष

UPS का लक्ष्य कर्मचारियों की आकांक्षाओं के साथ राजकोषीय लागत को **संतुलित करना** है। यह राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) की अनिश्चितता तथा पुरानी पेंशन योजना (OPS) को पुनः लागू करने के परिणामस्वरूप पड़ने वाले अतिरिक्त राजकोषीय दबाव की समस्या को संबोधित करता है। UPS **पुरानी पेंशन योजना (परिभाषित लाभ)** और **राष्ट्रीय पेंशन योजना (अंशदायी)** दोनों के तत्त्वों को समाहित करता है, पेंशन पूल पर एक परिभाषित रिटर्न/लाभांश प्रदान करता है तथा बाज़ार जोखिम को कम करता है। सुनिश्चित रिटर्न और मुद्रास्फीति संरक्षण के साथ UPS से समग्र पेंशन फंड में वृद्धि होने की आशा है, जिससे ऋण बोझ से जुड़े कुछ जोखिम कम हो जाएंगे।

[illegible]:

प्रश्न. एकीकृत पेंशन योजना (UPS), पुरानी पेंशन योजना (OPS) और राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) के बीच प्रमुख अंतरों की व्याख्या कीजिये। UPS किस प्रकार NPS से जुड़े जोखिमों को कम करने का प्रयास करता है?

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) में शामिल हो सकता है? (2017)

(a) केवल निवासी भारतीय नागरिक
(b) केवल 21 से 55 वर्ष की आयु के व्यक्ति
(c) अधिसूचना की तारीख के बाद सेवाओं में शामिल होने वाले सभी राज्य सरकार के कर्मचारी तथा संबंधित राज्य की सरकारों द्वारा अधिसूचना किये जाने की तारीख के पश्चात सेवा में आये हैं
(d) सशस्त्र बलों सहित केंद्र सरकार के सभी कर्मचारी, जो 1 अप्रैल, 2004 या उसके बाद सेवाओं में शामिल हुए हैं

उत्तर: (c)

प्रश्न. 'अटल पेंशन योजना' के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2016)

1. यह मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर लक्षित एक न्यूनतम गारंटीकृत पेंशन योजना है
2. एक परिवार का एक ही सदस्य इस योजना में शामिल हो सकता है
3. यह ग्राहक की मृत्यु के बाद जीवनभर के लिये पति या पत्नी हेतु समान राशि की पेंशन गारंटी है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/unified-pension-scheme